QuickNotes

FREE STUDY NOTES · PDF

UGC NET Paper 2

Rajasthani · राजस्थानी (043)

Complete revision notes — all 10 units

10 units | Tables & formulas | Key revision points

01 राजस्थानी भाषा: उद्भव और बोलियाँ
02 डिंगल और पिंगल
03 आदिकालीन रासो और प्रेमाख्यान
04 भक्ति साहित्य
05 ख्यात और गद्य साहित्य
06 रीतिकालीन और उत्तर-मध्यकालीन साहित्य
07 आधुनिक कविता
08 कथा साहित्य
09 लोकसाहित्य
10 छंद, अलंकार और समालोचना

getquicknotes.com

Edition: November 2026

CONTENTS

What's inside

Ten units of focused revision notes. Each unit ends with a box of key revision points.

01 **राजस्थानी भाषा: उद्भव और बोलियाँ** 3
गुर्जरी अपभ्रंश से आधुनिक राजस्थानी तक।

02 **डिंगल और पिंगल** 4
राजस्थानी काव्य की दो शैलियाँ।

03 **आदिकालीन रासो और प्रेमाख्यान** 5
रासो काव्य और लोक-प्रेमकथाएँ।

04 **भक्ति साहित्य** 6
मीरां और संत परंपरा।

05 **ख्यात और गद्य साहित्य** 7
राजस्थानी ऐतिहासिक गद्य।

06 **रीतिकालीन और उत्तर-मध्यकालीन साहित्य** 8
सूर्यमल्ल मिश्रण और वीर काव्य।

07 **आधुनिक कविता** 9
कन्हैयालाल सेठिया और नई कविता।

08 **कथा साहित्य** 10
विजयदान देथा और आधुनिक कथा।

09 **लोकसाहित्य** 11
लोकगाथा, फड़ और लोकगीत।

10 **छंद, अलंकार और समालोचना** 12
डिंगल छंदशास्त्र और आलोचना।

How to use these notes

- Read one unit at a time, then test yourself with its key revision points.
- Make your own short notes on topics you find difficult.
- Units follow the main areas of the official syllabus — the exact unit list can change between sessions.
- Always check the latest syllabus and notices on the official UGC NET portal: **ugcnet.nta.ac.in**.

UNIT 01

राजस्थानी भाषा: उद्भव और बोलियाँ

गुर्जरी अपभ्रंश से आधुनिक राजस्थानी तक।

- राजस्थानी का विकास शौरसेनी / गुर्जरी अपभ्रंश से; जूनी (पुरानी) राजस्थानी — मारु-गुर्जर।
- प्रमुख बोलियाँ — मारवाड़ी, ढूँढाड़ी (जयपुरी), हाड़ौती, मेवाती, मेवाड़ी, वागड़ी, मालवी।
- साहित्य अकादेमी द्वारा मान्यता (1974); संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की माँग जारी।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- आधार — गुर्जरी अपभ्रंश।
- मारवाड़ी — सबसे बड़ी बोली।
- साहित्य अकादेमी मान्यता — 1974।
- आठवीं अनुसूची — अभी नहीं।

UNIT 02

डिंगल और पिंगल

राजस्थानी काव्य की दो शैलियाँ।

- डिंगल — मारवाड़ी आधारित वीर-काव्य की शैली; चारण कवियों की भाषा।
- पिंगल — ब्रजभाषा-मिश्रित शैली; भाट कवियों में प्रचलित।
- डिंगल गीत, दूहा, सोरठा, छप्पय — प्रमुख छंद।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- डिंगल — चारण, वीर रस।
- पिंगल — ब्रज-मिश्रित।
- दूहा, सोरठा — प्रमुख छंद।
- डिंगल गीत — विशेष छंद-रूप।

UNIT 03

आदिकालीन रासो और प्रेमाख्यान

रासो काव्य और लोक-प्रेमकथाएँ।

- 'बीसलदेव रासो' — नरपति नाल्ह।
- 'ढोला मारू रा दूहा' — लोक-प्रेमकाव्य।
- 'अचलदास खींची री वचनिका' — शिवदास गाडण।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'बीसलदेव रासो' — नरपति नाल्ह।
- 'ढोला मारू रा दूहा' — प्रेमकाव्य।
- वचनिका — गद्य-पद्य मिश्रित।
- 'अचलदास खींची री वचनिका' — शिवदास गाडण।

UNIT 04

भक्ति साहित्य

मीरां और संत परंपरा।

- मीरांबाई — कृष्णभक्ति के पद; मेड़ता की राजकुमारी।
- संत दादू दयाल (दादू पंथ), संत जाम्भोजी (बिश्नोई पंथ), संत जसनाथजी।
- पृथ्वीराज राठौड़ — 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' — डिंगल की श्रेष्ठ कृति।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- मीरां — कृष्णभक्ति।
- बिश्नोई पंथ — जाम्भोजी।
- 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' — पृथ्वीराज राठौड़।
- दादू पंथ — दादू दयाल।

UNIT 05

ख्यात और गद्य साहित्य

राजस्थानी ऐतिहासिक गद्य।

ग्रंथ	लेखक / विशेषता
नैणसी री ख्यात	मुहणोत नैणसी
मारवाड़ रा परगना री विगत	मुहणोत नैणसी
बांकीदास री ख्यात	बांकीदास
दयालदास री ख्यात	बीकानेर का इतिहास

- गद्य-रूप — ख्यात, वात, विगत, वचनिका, पीढ़ियावली।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'नैणसी री ख्यात' — मुहणोत नैणसी।
- विगत — प्रशासनिक विवरण।
- वात — कथा-गद्य।
- बांकीदास — ख्यात लेखक।

UNIT 06

रीतिकालीन और उत्तर-मध्यकालीन साहित्य

सूर्यमल्ल मिश्रण और वीर काव्य।

- सूर्यमल्ल मिश्रण — 'वंश भास्कर', 'वीर सतसई' (1857 के समय की वीर भावना)।
- बांकीदास — कवि और इतिहासकार।
- कविराजा श्यामलदास — 'वीर विनोद' (मेवाड़ का इतिहास)।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'वंश भास्कर' — सूर्यमल्ल मिश्रण।
- 'वीर सतसई' — सूर्यमल्ल।
- 'वीर विनोद' — श्यामलदास।
- बांकीदास — कवि-इतिहासकार।

UNIT 07

आधुनिक कविता

कन्हैयालाल सेठिया और नई कविता।

- कन्हैयालाल सेठिया — 'धरती धोरां री', 'पातल अर पीथल', 'लीलटांस' (साहित्य अकादेमी)।
- रेवतदान चारण, सत्यप्रकाश जोशी, नारायणसिंह भाटी — आधुनिक कवि।
- चंद्रसिंह बिरकाळी — 'बादळी', 'लू' (प्रकृति काव्य)।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'धरती धोरां री' — सेठिया।
- 'पातल अर पीथल' — सेठिया।
- 'बादळी' — चंद्रसिंह बिरकाळी।
- 'लीलटांस' — साहित्य अकादेमी।

UNIT 08

कथा साहित्य

विजयदान देथा और आधुनिक कथा।

- विजयदान देथा ('बिज्जी') — 'बातां री फुलवाड़ी' (लोककथाओं का पुनर्लेखन); कथाएँ 'दुविधा' पर 'पहेली' फ़िल्म।
- आधुनिक कथाकार — अन्नाराम सुदामा, यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र', मनोहर शर्मा।
- उपन्यास — श्रीलाल नथमल जोशी ('आभै पटकी') प्रारंभिक उपन्यासकारों में।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'बातां री फुलवाड़ी' — विजयदान देथा।
- बिज्जी = विजयदान देथा।
- अन्नाराम सुदामा — कथाकार।
- 'दुविधा' — 'पहेली' फ़िल्म का आधार।

UNIT 09

लोकसाहित्य

लोकगाथा, फड़ और लोकगीत।

- लोकदेवता गाथाएँ — पाबूजी री फड़, देवनारायण री फड़ (भोपा गाते हैं)।
- लोकगीत — घूमर, गोरबंद, पणिहारी, केसरिया बालम; मांगणियार और लंगा गायक।
- लोकनाट्य — ख्याल, तमाशा, रम्मत, गवरी।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- फड़ — पाबूजी, देवनारायण।
- भोपा — फड़ वाचक।
- गवरी — भील लोकनाट्य।
- ख्याल — लोकनाट्य।

UNIT 10

छंद, अलंकार और समालोचना

डिंगल छंदशास्त्र और आलोचना।

- डिंगल छंदशास्त्र — 'रघुनाथ रूपक गीतां रो' (मंछाराम सेवग)।
- वयण सगाई — डिंगल का विशेष शब्दालंकार (अनुप्रास जैसा)।
- आलोचना — मोतीलाल मेनारिया ('राजस्थानी भाषा और साहित्य'), हीरालाल माहेश्वरी।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- वयण सगाई — डिंगल अलंकार।
- 'रघुनाथ रूपक' — छंदशास्त्र।
- मेनारिया — 'राजस्थानी भाषा और साहित्य'।
- हीरालाल माहेश्वरी — आलोचक।

QuickNotes

Learn Quickly. Prepare Smartly.

More free study notes

Free PDFs for UGC NET Paper 1, every Paper 2 subject, IBPS RRB and SSC CHSL — no sign-up.

www.getquicknotes.com

Free for personal study — not for sale. You may share this PDF unchanged and free of charge.

QuickNotes is an independent educational platform. It is not affiliated with, endorsed by or connected to the University Grants Commission (UGC), the National Testing Agency (NTA) or any government examination authority. These are original revision notes; always refer to the official notification for exam dates, eligibility, pattern and syllabus.

Found a mistake? Email support@getquicknotes.com · Edition: November 2026